सांध्य दैनिक

4PM

क्रोध वह हवा है जो बुद्धि के दीप को बुझा देती है।
-रोबर्ट ग्रीन इन्गेर्सोल्ल

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 11 ● अंकः 208 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 4 सितम्बर, 2025

आईपीएल टिकटों पर अब 40 प्रतिशत लगेगा... 7 | यूपी विस चुनाव से पहले भाजपा... 3 | भाजपा किसी की सगी नही... 2

जीएसटी 2.0 सियासी बदलाव ! या नजर में है विस चुनाव

टीएमसी ने बताया जनता की जीत

कांग्रेस ने देरी से लिए गए फैसले पर उठाया सवाल

- बोली कांग्रेस असली जीएसटी 2.0 हम लाएंगे जिसमें सिंगल स्लैब टैक्स, राज्यों को बराबर हिस्सा, आम आदमी को मिलेगी राहत
- ममता बनर्जी की चेतावनी रंग लाई, बीमा और दवाओं पर जीएसटी की दरें शून्य
- जयराम रमेश ने कहा कि टैक्स टेरर में फंसा आम आदमी
- केंद्र सरकार से राज्यों को मिलने वाला जीएसटी का हिस्सा अभी तक नहीं मिला?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद पर ही सवालिया निशान लगाते हुए कांग्रेस ने अभी भी आम आदमी को टैक्स टेरर में फंसा बताया है। कांग्रेस ने मौजूदा जीएसटी को 1.5 कह कर इसे नकली सुधार की संज्ञा दी है। पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम ने इसे बिहार विस चुनाव के मद्देनजर लिया गया निर्णय बताया है। राहुल गांधी पहले ही जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स कहते आ रहे हैं और मोदी सरकार पर सवालिया निशान खड़े करते हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश के मुताबिक पीएम मोदी लाल किले से पहले ही आज के बदलावों को शेयर कर चुके हैं। ऐसे में जीएसटी परिषद का क्या काम?

जयराम रमेश ने साधा निशाना

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने जीएसटी 2.0 को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस लंबे समय से जीएसटी 2.0 की वकालत करती रही है। मैं पूछता हूं कि क्या जीएसटी परिषद अब केवल एक औपचारिकता बनकर रह गई है? कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस लंबे समय से जीएसटी 2.0 की वकालत करती रही है जो दरों की संख्या घटाए, बड़े पैमाने पर उपभोग होने वाली वस्तुओं पर टैक्स की दरें कम करे, टैक्स चोरी, गलत वर्गीकरण और विवादों को न्यूनतम करे, इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर (जहां इनपुट पर आउटपुट की तुलना में अधिक टैक्स लगता है) समाप्त करे, एमएसएमई पर प्रक्रियागत नियमों का बोझ कम करे और जीएसटी के दायरे का विस्तार करे।

जनदबाव पर झुकी सरकार : टीएमसी

ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस ने बीमा और दवाओं पर जीएसटी की दरों को शून्य हो जाने को जनता की जीत करार दिया है। पार्टी ने इसे मजबूरी में लिया गया निर्णय बताया है और कहा है कि जब तक जनता दबाव नहीं बनाती तब तक यह सरकार लोगों की नहीं सुनती। टीएमसी का कहना है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने इस मुद्दे पर पहले दिन से ही केंद्र को चेताया था। पार्टी के आधिकारिक एक्स पोस्ट में कहा गया है कि ममता बनर्जी ने वित्त मंत्री को साफ शब्दों में बताया था कि बीमा प्रीमियम पर टैक्स लगाना अमानवीय, जनविरोधी और आम लोगों को संकट की घड़ी में आर्थिक तबाही के मुंह में धकेलने जैसा है।

पीएम ने की तारीफ

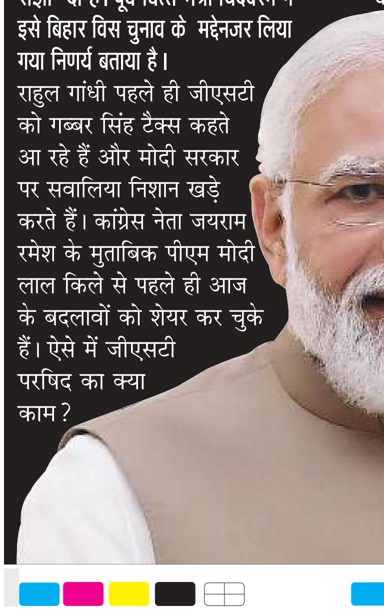

पीएम मोदी ने जीएसटी कांउसिल के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे अर्थव्यवस्था के लिए मजबूत कदम बताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस निर्णय का स्वागत करते हुए लिखा है कि अपने स्वतंत्रता दिवस भाषण के दौरान मैंने जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधार लाने के हमारे इरादे के बारे में बात की थी। केंद्र सरकार ने जीएसटी दरों को युक्ति संगत बनाने और प्रक्रियागत सुधारों के लिए एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया था जिसका उद्देश्य आम आदमी के जीवन को आसान बनाना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है।

बिहार चुनाव या फिर अमेरिकी टैरिफ के दबाव में लिया गया फैसला : चिदंबरम

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद पी चिदंबरम ने सरकार के फैसले पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इसका स्वागत किया, लेकिन कड़ी आलोचना भी की। उन्होंने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि जीएसटी को तर्कसंगत बनाना और कई चीजों और सेवाओं पर दरों में कमी करना स्वागत योग्य बताया है, लेकिन ये फैसला 8 साल की देरी से लिया गया है। ये मौजूदा स्वरूप और टैक्स स्लैब शुरू से ही लागू नहीं होनी चाहिए थी। हम विपक्ष में रहते हुए लगातार चेतावनी देते रहे थे, लेकिन हमारी दलीलों पर ध्यान नहीं दिया गया। चिदंबरम ने सवाल उठाया कि यह सुधार अभी क्यों किया गया। उन्होंने इसके पीछे राजनीतिक और आर्थिक कारणों की अटकलें लगाईं। उन्होंने सवाल करते हुए कहा की क्या ये फैसला सुस्त आर्थिक विकास, बढ़ता घरेलू कर्ज, घटती बचत, आगामी बिहार चुनाव या फिर अमेरिकी टैरिफ के दबाव में लिया गया है। ये सभी कारक सरकार को मजबूर करने वाले हो सकते हैं।

22 सितम्बर से लागू होंगी नयी दरें

जीएसटी परिषद की 56वीं बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सिर्फ दो जीएसटी स्लैब 5 फीसदी और 18 फीसदी पर मोहर लगा दी है। जीएसटी स्लैब 12 फीसदी और 28 फीसदी को समाप्त कर दिया गया है। विलासिता और हानिकारक वस्तुओं के लिए एक अलग स्लैब 40 फीसदी का बनाया गया है जिसमें पान मसाला और दूसरी चीजों को रखा गया है। जीएसटी में बदलाव का फैसला 22 सितंबर से लागू होगा। हेयर ऑयल, टॉयलेट सोप, साबुन की टिकिया, शैंपू, टूथब्रश, टूथपेस्ट, साइकिल, टेबलवेयर, किचनवेयर और अन्य घरेलू सामान पर जीएसटी की दरों को 5 फीसदी किया गया है। वहीं दूध, ब्रेड, छेना और पनीर, भारतीय रोटियों पर जीएसटी शून्य होगी। खाद्य पदार्थ नमकीन, बुज्जिया, सॉस, पास्ता, इंस्टेंट नूडल्स, चॉकलेट, कॉफी, संरक्षित मांस, कॉर्नफ्लेक्स, मक्खन, घी, ये सभी 5 प्रतिशत जीएसटी के दायरे में हैं। एयर कंडीशनिंग मशीनें, टीवी, डिशवॉशिंग मशीनें, छोटी कारें, मोटरसाइकिलें 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत जीएसटी में शामिल हैं। 33 जीवन रक्षक दवाओं पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटकर शून्य हो गया है। कृषि सामान जैसे ट्रैक्टर, मिट्टी तैयार करने या खेती के लिए कृषि, बागवानी और वानिकी मशीनें, कटाई या थ्रेसिंग मशीनें, जिनमें पुआल या चारा बेलर, घास या घास मूवर, खाद बनाने की मशीन आदि शामिल हैं, सभी पर जीएसटी 12 से घटकर 5 प्रतिशत हो गए हैं। 12 निर्दिष्ट जैव-कीटनाशकों पर जीएसटी को 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है।

इन चीजों के लिए ज्यादा जेब खाली करनी होगी

जिन वस्तुओं पर पहले तंबाकू शुगर वाले ड्रिंक्स और महंगे वाहनों जैसी हानिकारक या विलासिता की वस्तुओं पर 28 प्रतिशत कर लगता था उन्हें अब 40 फीसदी कर स्लैब में डाल दिया गया है। तंबाकू उत्पाद जैसे सिगरेट, सिगार, चुरूट, सिगारिलो, गुटखा, चबाने वाला तंबाकू (जैसे जर्दा), अनमैन्युफैक्चर्ड तंबाकू, बीड़ी, सुगंधित तंबाकू और पान मसाला पर 40 फीसदी कर लगेगा। पेट्रोल के लिए 1200 सीसी और डीजल के लिए 1500 सीसी से ज्यादा इंजन वाली लग्जरी कारों के साथ-साथ मीठे, फ्लेवर्ड और कार्बोनेटेड पेय पदार्थों पर 40 प्रतिशत का नया कर स्लैब लागू होगा।

कंपनसेशन मिलेगा या नहीं?

राष्ट्रीय प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने केन्द्र सरकार से पूछा है कि राज्यों को कंपनसेशन मिलेगा या नहीं? शमा मोहम्मद के मुताबिक राहुल गांधी ने यह बात पहले ही कह दी थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जो कहा था वही जीएसटी काउंसिल कर रही है। लेकिन मुद्दा यह है कि कई राज्यों का कहना है कि उन्हें केंद्र सरकार से मिलने वाला जीएसटी का हिस्सा नहीं मिल रहा है। ऐसे में कंपनसेशन मिलेगा या नहीं यह केंद्र सरकार को बताना होगा।

भाजपा किसी की सगी नहीं : अखिलेश

बोले सपा प्रमुख- भाजपाइयों की 'दरारवादी सोच' अब अपने गुट में भी दरार डाल चुकी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार में मंत्री और सुभासपा नेता ओम प्रकाश राजभर के घर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के कार्यकर्ताओं द्वारा हंगामे पर सख्त प्रतिक्रि या दी है। सपा चीफ ने इस हमले को बीजेपी नीत एनडीए के भीतर गुटबाजी से भी जोड़ दिया है।

सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा है कि भाजपा किसी की सगी नहीं है। कल तक भाजपाइयों की अपनी ही 'परिषद' बनाम अपनी ही 'वाहिनी' हो रहा था, अब अपने तथाकथित राजनीतिक सहयोगी के खिलाफ, उनके आवासों तक पर प्रदर्शन करवा रही है। भाजपाइयों की 'दरारवादी सोच' अब अपने गुट में भी दरार डाल चुकी है। भाजपा के सहयोगी बने धन-लोलुप लोगों को अब ये समझ आ गया है कि 'इस्तेमाली' पार्टी उनकी 'माली हालत' तो सुधार सकती है मतलब उनके

खज़ाने में 'माल' तो दे सकती है परंतु 'मान' कभी नहीं देगी क्योंकि भाजपा की साजशिन चाल ही यही है कि 'पहले इस्तेमाल करो, फिर बर्बाद करो'।

'भाई-भाई' कहकर हाथ जोड़ने को मजबूर कर रहे

कन्नौज सांसद ने लिखा कि बड़े-बड़े वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सामान्य पुलिसकर्मियों को आगे करके भाजपा की अंदरूनी लड़ाई से बचना चाहते हैं। बड़े वर्चस्ववादी पुलिस अधिकारी एसी में बैठकर, बड़े भाजपाइयों के सामने अपना तो 'यस सर-यस सर' कर रहे हैं लेकिन सड़कों पर, भाजपा के आनुषंगिक संगी-सहयोगियों के अभद्र व्यवहार के बावजूद, अन्य कनिष्ठ पुलिसकर्मियों को 'भाई-भाई' कहकर हाथ जोड़ने को मजबूर कर रहे हैं। यूपी के पूर्व सीएम ने लिखा कि भाजपा ने अपने तथाकथित राजनीतिक सहयोगियों की जो दुर्गति की है, उससे वो अपने-अपने समाज में मुँह दिखाने लायक नहीं बचे हैं. उनको समझ नहीं आ रहा है कि अब जाएं तो जाएं कहाँ. भाजपा ने सियासी रूप से उनको बर्बाद कर दिया है। उनके हाथ-पैर ठंडे पड़ गये हैं और चेहरे 'पीले।

संविधान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है

समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एकबार फिर बीजेपी पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय की स्थापना करने और अन्याय को मिटाने के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में निर्दोषों को झूठे मुकदमे में फंसाया जाता है, संविधान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है और महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने शिक्षा, और स्वास्थ्य व्यवस्था बर्बाद कर दिया, अस्पतालों में दवाएं नहीं हैं, इलाज नहीं मिल पा रहा है और एम्बुलेंस सेवाएं ठप है।

जनता को समाजवादी पार्टी की नीतियों पर भरोसा

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जनता को समाजवादी पार्टी की नीतियों और कार्यक्र मों पर भरोसा है। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में विकास के लिए तमाम कार्य किए हैं। किसानों, नौजवानों समेत सभी वर्गो के हित में फैसले लिए। जनता समाजवादी पार्टी की तरफ उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। समाजवादी पार्टी की सरकार में सामाजिक न्याय का राज स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार को कोई नहीं बचा पायेगा।

अतिपिछड़े वर्ग के नेता के साथ इस तरह का व्यवहार ठीक नहीं है: अरुण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारियों पर कथित रूप से अमर्यादित टिप्पणी करने से नाराज एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने देर रात पार्क रोड स्थित विधायक निवास के सामने कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर का पुतला दहन कर विरोध जताया।

एबीवीपी के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि एक संवैधानिक पद पर होते हुए देश के सबसे बड़े छात्र संगठन के विरुद्ध टिप्पणी मंत्री की ओछी मानसिकता को दिखाता है। कार्यकर्ताओं ने मंत्री से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को कहा है। इस दौरान आवास के बाहर काफी देर तक ओमप्रकाश राजभर मुर्दाबाद के नारे लगते रहे। सुभासपा के महासचिव अरुण राजभर ने एक वीडियो बनाकर इस घटना पर प्रतिक्रि या दी है। उन्होंने कहा कि मंत्री जी के आवास पर कुछ अराजक तत्व पत्थर फेंक रहे है और ओम प्रकाश राजभर को गाली गलौज कर रहे है। अतिपिछड़े वर्ग के नेता का साथ इस तरह का व्यवहार ठीक नहीं है यह गुंडागर्दी है।

मेरा एनकाउंटर करना चाहती थी पुलिस, इसलिए भागा : पठानमाजरा

» फरार आप विधायक का फायरिंग से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटियाला । हरियाणा के करनाल में पुलिस की हिरासत से भागे पटियाला सनौर हलके के आप विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा ने एक वीडियो जारी करके आरोप लगाया है कि पंजाब पुलिस उनका एनकाउंटर करना चाहती है। पठानमाजरा ने कहा कि उन्हें किसी ने फोन करके इसकी सूचना दी थी, इसलिए पुलिस के आने पर उन्हें चाय-पानी में व्यस्त करके वह अपने कुछ लोगों को इकट्ठा करके वहां से निकल गए लेकिन पुलिस ने उनका पीछा किया और उन्हें मारने की कोशिश की। वाहेगुरु की कृपा से वह किसी तरह से बचकर सुरक्षित जगह पर पहुंचे।

वीडियो में पठानमाजरा ने पुलिस के साथ किसी भी तरह का टकराव होने से भी इनकार किया है। पठानमाजरा ने कहा कि पुलिस वाले या तो गुरु घर जाकर यह कह दें या फिर अपने बच्चों की सौगंध खा लें कि उनकी पुलिस वालों के साथ तकरारबाजी हुई है। उनकी पुलिस से कोई धक्का-मुक्की नहीं हुई। न ही उन पर गोलियां चलाई गई। पठानमाजरा ने कहा कि उन्हें पकड़ने के लिए 500 पुलिस मुलाजिमों के साथ 8 से 10 एसपी, डीएसपी और कई एसएचओ भेजे गए। यह सब उन्हें एक फरार गैंगस्टर के तौर पर दिखाने के लिए किया गया।

ग्रामीणों के खिलाफ केस दर्ज

पटियाला पुलिस की शिकायत पर सदर थाना पुलिस ने डाचर के ग्रामीणों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा डालने, आरोपी विधायक को पुलिस हिरासत से छुड़वाने और पुलिस पार्टी को डराने के आरोप में केस दर्ज कर लिया है। पंजाब पुलिस से गिरफ्तार आरोपी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। साथ ही गाड़ी और असलहा भी कब्जे में लिया है।

पठानमाजरा ने पंजाब के सभी विधायकों को मजबूती के साथ सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने की अपील की ।विधायक पठानमाजरा की धरपकड़ के लिए एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के साथ पटियाला पुलिस की टीमें जगह-जगह छापे मार रहीं हैं। मंगलवार रात को पंजाब पुलिस की टीम उनकी तलाश में फिर करनाल के गांव डबरी पहुंची। रात को टीम ने गांव में लगे सरकारी सीसीटीवी कैमरे खंगाले। बुधवार को भी पूरा दिन टीम ने गांव की गली-गली व घर-घर में दस्तक दी और बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की।

पटना में दर्दनाक सड़क हादसा

ट्रक में घुसी तेज रफ्तार कार पाँच कारोबारियों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की राजधानी पटना में एक भीषण सड़क हादसे में पाँच कारोबारियों की मौत हो गई। बुधवार देर रात पटना-गया फोरलेन पर एक तेज रफ्तार कार ने आगे जा रहे ट्रक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी पाँच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

यह घटना परसा बाज़ार थाना क्षेत्र के सुईथा मोड़ के पास हुई। बताया जा रहा है कि सभी कारोबारी अपनी कार में फतुहा से पटना लौट रहे थे। कार की रफ्तार बहुत तेज थी, जिसके कारण वह सीधे ट्रक में जा घुसी और लगभग 50 मीटर तक घिसटती चली गई। पुलिस के मुताबिक, इस हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग कीटनाशक और कृषि से जुड़े उत्पादों का व्यवसाय करते थे। सभी मृतक पटना के कुर्जी और पटेल नगर इलाके के रहने वाले थे। हादसाग्रस्त कार भी पटना के पटेल नगर के संजय कुमार सिन्हा की बताई जा रही है।

उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले भाजपा सक्रिय

बीजेपी सांसद छह को दिल्ली तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति चुनाव में अब एक हफ्ते से भी कम समय बचा है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपने सभी सांसदों को एक पत्र जारी कर 6 सितंबर तक दिल्ली पहुँचने का निर्देश दिया है। उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान 9 सितंबर को होगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी पार्टी सांसदों को 6 सितंबर को शाम 7 बजे अपने आवास पर रात्रिभोज के लिए आमंत्रित किया है। 7 सितंबर को सांसदों को सुबह 9 बजे से देर शाम तक आयोजित पार्टी कार्यशाला में शामिल होने का निर्देश दिया गया है।

बालयोगी सभागार में दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगी। उसी शाम, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आवास पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी सांसदों के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। 9 सितंबर को, लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सदस्य भारत के अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए मतदान करेंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मंच तैयार है, जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के सीपी राधाकृष्णन का मुकाबला इंडिया ब्लॉक के बी सुदर्शन रेड्डी से होगा। विपक्ष को सर्वसम्मति से उपराष्ट्रपति पद के लिए मनाने की सरकार की कोशिशें नाकाम हो गई हैं, क्योंकि इंडिया ब्लॉक ने रेड्डी को उम्मीदवार बनाया है, जिन्हें भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रगतिशील न्यायविदों में से एक बताया गया है। वर्तमान में, संसद के दोनों सदनों को मिलाकर सदस्यों की संख्या 787 है। भारत के अगले उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचित होने के लिए किसी उम्मीदवार को कम से कम 394 मतों की आवश्यकता होती है। मौजूदा स्थिति राधाकृष्णन के पक्ष में है, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के पास 422 सांसद हैं, जिनमें मनोनीत सदस्य भी शामिल हैं, जो एनडीए उम्मीदवार का समर्थन कर सकते हैं। एनडीए के सांसदों की संख्या 542 सदस्यीय लोकसभा में 293 और राज्यसभा में 129 है, जहाँ सदन की प्रभावी संख्या वर्तमान में 245 है। विपक्ष के लिए, ये चुनाव 2017 और 2022 के उपराष्ट्रपति चुनावों की तरह एक प्रतीकात्मक मुकाबला बने हुए हैं, क्योंकि उनके पास पर्याप्त संख्याबल नहीं है।

मतुआ समुदाय ने राहुल गांधी से मुलाकात की

» नागरिकता की मांग पर कांग्रेस से समर्थन मांगा : अधीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल में राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मतुआ समुदाय के एक प्रतिनिधिमंडल ने पिछले हफ्ते बिहार में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की और नागरिकता की अपनी अरसे से लंबित मांग के लिए पार्टी से समर्थन मांगा।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर चौधरी ने बुधवार को यह जानकारी दी। चौधरी ने कहा कि बिहार में वोटर अधिकार यात्रा का नेतृत्व कर रहे गांधी ने उनसे दिल्ली आने को कहा, जहां इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हो सकती है। मतुआ समुदाय हिंदुओं का एक कमजोर वर्ग है, जो विभाजन के दौरान और बांग्लादेश के निर्माण के बाद धार्मिक उत्पीड़न के कारण भारत आ गया था। इस अनुसूचित जाति समुदाय का राज्य के कई निर्वाचन क्षेत्रों में खासा प्रभाव है।

राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों में मतुआ समुदाय के विधायक हैं। चौधरी ने कहा, ''राहुल जी ने शनिवार को बिहार के सारण जिले के एकमा में मतुआ समुदाय के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने उन्हें दिल्ली आने को कहा, जहां वह नागरिकता की उनकी मांग पर विस्तार से उनकी बात सुनेंगे।

बामुलाहिज़ा
कार्टून: हसन ज़ैदी

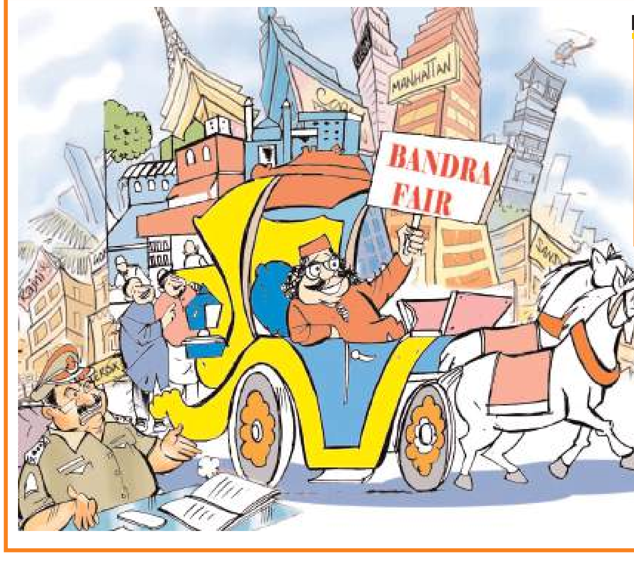

यूपी विस चुनाव से पहले भाजपा को मिलेगा घाव

पंचायत चुनाव में दिखेगा नया त्रिकोणीय समीकरण

» अपना दल व सुभसपा ने अलापा नया राग

» सपा व कांग्रेस ने भी किया परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

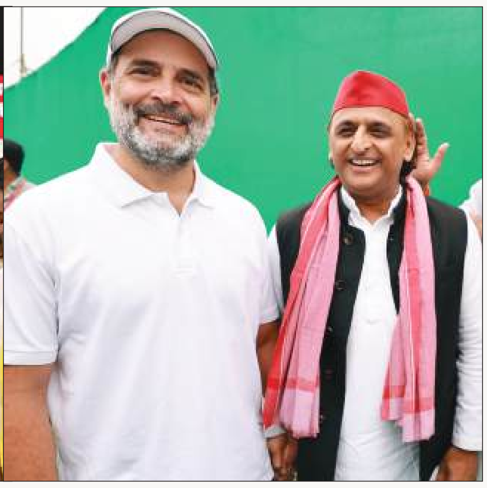

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ये कह कर कि 2024 के लोकसभा में जिस तरह से भाजपा को नाको चने चबवाया है वैसे ही यूपी विधान सभा में उसे हराकर बाहर करेंगे। उधर भाजपा के सहयोगियों ने भी आगामी होने वाले पंचायत चुनाव से पहले भाजपा को आंख दिखाना शुरू कर दिया है। ऐसे में सबसे ज्यादा इसका लाभ सपा उठाने की फिराक में है। उत्तर प्रदेश में आगामी पंचायत चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी तैयारी तेज कर दी है।

भारतीय जनता पार्टी की सहयोगी अपना दल सोनेलाल पहले ही ये साफ़ कर चुकी हैं कि वो ये चुनाव अकेले लड़ेगी। ऐसे में अब पार्टी ने जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करना शुरू कर दिया है। वहीं सुभासपा ने तेवर दिखाने शुरू कर दिये हैं। लखनऊ में अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्र सरकार में मंत्री अनुप्रिया पटेल ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की और पार्टी की आगामी रणनीति को लेकर चर्चा की। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से संगठन के विस्तार पर जोर देने को कहा। दरअसल उत्तर प्रदेश में अपना दल एस, निषाद पार्टी और ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा तीनों दल एनडीए के सहयोगी है लेकिन, पंचायत चुनाव में इन तीनों दलों ने अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान किया है, इस चुनाव के लिए इन पार्टियों की ओर से तैयारी भी शुरू कर दी गई है।

अपना दल को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की तैयारी

अपना दल की नजर पंचायत चुनाव के साथ आगामी विधानसभा चुनाव पर भी टिकी हुई है। इसलिए पार्टी हर विधानसभा क्षेत्र में अपनी मजबूती और कमजोरियों की पहचान करने में जुटी है। इसके लिए पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। अनुप्रिया पटेल ने इस बैठक के दौरान कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत की वजह से ही पार्टी यहां तक पहुंची है। चुनाव को देखते हुए हमें और मेहनत से काम करना है। पार्टी की नीतियों और विचारधारा को गांव-गांव तक ले जाना है। ग्रामीणों को ये बताया जाए कि सरकार पर दबाव बनाकर पार्टी की ओर से क्या-क्या काम किए गए हैं।

सुभासपा अध्यक्ष के बयान पर मची खलबली

सुभासपा अध्यक्ष और योगी सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में एक नया त्रिकोणीय समीकरण भी देखने को मिल सकता है जिसमें अपना दल और निषाद पार्टी एकसाथ दिखाई दे सकती हैं। ओम प्रकाश राजभर से जब पंचायत चुनाव को लेकर सवाल किया कि क्या इस चुनाव में अनुप्रिया पटेल, डॉ संजय निषाद और ओमप्रकाश राजभर इन तीनों को मिलाकर कोई नया समीकरण दिखाई दे सकता है तो उन्होंने कहा कि हां यह संभव है क्योंकि इसमें सिंबल पर चुनाव नहीं होता है।

जमीनी स्तर पर रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश

पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और यूपी सरकार में मंत्री आशीष पटेल ने भी पार्टी प्रभारियों को दो अक्टूबर को अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों में जाने और वहां की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए हैं। जिसके बाद एक समीक्षा बैठक की जाएगी। जिसमें तमाम तथ्यों पर मंथन होगा। अनुप्रिया पटेल ने इस दौरान पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि केंद्र व राज्य सरकार ने उनकी पार्टी द्वारा उठाए गए मुद्दों पर

गंभीरता से काम किया है। उन्होंने योगी सरकार द्वारा आउटसोर्सिंग में आरक्षण के फैसले के स्वागत किया और कहा कि हमारी पार्टी लगातार इस मुद्दे को उठाती आ रही थी। जातीय जनगणना के मुद्दे को भी अपना दल ने ज़ोर-शोर से उठाया और केंद्र सरकार ने इस पर उनकी इस मांग पर मुहर लगा दी है। अब हमारी माँग है कि पिछड़ा वर्ग मंत्रालय का गठन किया जाए, उम्मीद है जल्द ही केंद्र सरकार इस ओर भी ध्यान देगी। अब हर सीट पर अपना दल एस की रणनीति, मिशन 2027 के लिए बीजेपी को कितना परेशान करेगी यह देखना दिलचस्प होगा।

पंचायत चुनाव में दिखेगा असर

राजभर ने यूपी पंचायत चुनाव में नए त्रिकोणीय समीकरण का ऐलान करते हुए कहा कि जिन लोगों का मन है राजनीति में पहलवानी करने का उन्हें मौका मिलना चाहिए। इस दौरान उन्होंने अपना दल, निषाद पार्टी और सुभासपा इन तीनों दलों के मुखियाओं इलेक्ट्रॉन प्रोटॉन न्यूट्रॉन कहते हुए परमाणु बम बताया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा हाइड्रोजन बम फोड़ने वाले दावे पर ओम प्रकाश राजभर ने जवाब देते हुए कहा कि हम भी इलेक्ट्रॉन.. प्रोटॉन.. न्यूट्रॉन के साथ परमाणु बम के रूप में तैयार हैं। इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन, न्यूट्रॉन की भूमिका में ओम प्रकाश राजभर, अनुप्रिया पटेल और डॉक्टर संजय निषाद हैं। इनके आगे कोई नहीं टिकेगा। एनडीए के सहयोगी दलों के इस ऐलान को बीजेपी पर प्रेशर पॉलिटिक्स बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। इस बीच ओम प्रकाश राजभर ने पंचायत चुनाव में त्रिकोणीय समीकरण की बात कहकर सियासी हलचल तेज कर दी है। जिसे लेकर अब चर्चाएं तेज होने लगी हैं।

बिहार में सीट बंटवारे पर एनडीए में रार?

» चिराग व मांझी ने फंसाया पेंच

» शाह ने संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में सीट बंटवारे को लेकर एडीए समेत इंडिया गठबंधन में बातचीत का दौर चल रहा है। पर एनडीए में शाह की बैठक से पहले मांझी व चिराग की मांग से सीट बंटवारे पर घमासान का तय होना सुनिश्चित है। जीतनराम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए से 20 सीटों की मांग कर गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर आंतरिक कलह बढ़ा दी है। इस राजनीतिक खींचतान के बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली में बिहार भाजपा कोर कमेटी की अहम चुनावी रणनीति बैठक की अध्यक्षता कर रहे हैं।

एनडीए के भीतर सीट बंटवारे को लेकर आंतरिक कलह सामने आती हुई दिखाई दे रही है। केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (एचएएम) के संरक्षक जीतन राम मांझी ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में कम से कम 20 सीटों पर मांग रख दी है। उन्होंने मीडिया से कहा कि आम जनता और हमारे कार्यकर्ताओं की मांग है कि हमें ऐसी सीटें चाहिए जो हमारी गरिमा बचा सकें। अगर एनडीए के दिल में हमारे लिए सहानुभूति है और वे हमारी पार्टी को मान्यता देना चाहते हैं, तो उन्हें बिहार विधानसभा चुनाव में हमें कम से कम 20 सीटें देनी चाहिए। हालांकि, इससे पहले मांझी ने दावा किया था कि उनकी पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में कम से कम 35-40 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कोर कमेटी की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के राज्य के शीर्ष नेताओं के साथ रणनीति पर चर्चा की जाएगी। बिहार भाजपा सूत्रों के अनुसार, बिहार विधानसभा चुनाव की चुनावी रणनीति पर चर्चा के लिए आज दिल्ली में बैठक होने वाली है और पार्टी नेता चुनाव जीतने के लिए, जमीनी स्तर पर कड़ी मेहनत करने हेतु अमित शाह से मार्गदर्शन लेंगे।

शाह के मार्गदर्शन में बातचीत

बिहार भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि बिहार चुनाव की रणनीति पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है क्योंकि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मार्गदर्शन राज्य विधानसभा चुनाव में एनडीए की सफलता का मार्ग प्रशस्त करेगा। बिहार के एक अन्य वरिष्ठ भाजपा नेता ने एएनआई को बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव के नेतृत्व में जिस

तरह से मतदाता अधिकार यात्रा निकाली गई, उसका उद्देश्य बिहार की जनता को वोट चोरी के नाम पर गुमराह करना और दुनिया के लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां को गालियाँ देना है। भाजपा नेता ने आगे कहा कि आज की बैठक में पार्टी आलाकमान जो भी मार्गदर्शन और सुझाव देगा, हम उसे जमीनी स्तर पर लागू करेंगे ताकि पार्टी कार्यकर्ताओं को बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया जा सके। बिहार विधानसभा चुनाव इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की उम्मीद है, हालांकि भारत निर्वाचन आयोग ने अभी तक आधिकारिक कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है।

बराबर-बराबर सीटों पर लड़ सकती है बीजेपी-जेडीयू

सूत्रों के अनुसार, जेडीयू और बीजेपी लगभग बराबर संख्या में सीटें लड़ सकते हैं, संभवतः प्रत्येक को लगभग 100-105 सीटों की हिस्सेदारी मिल रही है। शुरुआती अटकलों में यह भी कहा गया था कि जेडीयू को 'बड़ा भाई बनाए रखने का प्रयास होगा, जिससे उसे थोड़ी बढ़त मिल सकती है यानी कि जेडीयू को 102-103 सीटें, जबकि बीजेपी को 101-102 सीटें मिल सकती हैं। इस तरह का संतुलन एक समन्वित गठबंधन का संदेश देता है, जहां दोनों बड़े दल एक-दूसरे की राजनीतिक हैसियत और प्रभाव को बराबर मानते हुए चुनावी जमीन बांट रहे हैं।

चिराग की पार्टी ने भी खोला बड़ा मुंह

चुनौती छोटे सहयोगियों की हिस्सेदारी और चिराग पासवान को लेकर है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), यानी चिराग पासवान की पार्टी, ने शुरुआत में 40 सीटों की मांग की थी, सूत्रों के अनुसार, उनकी हिस्सेदारी लगभग 20-28 सीटों तक सीमित रह सकती है। यह मांग और मात्रा से स्पष्ट है कि चिराग का यह एक रणनीतिक बारगेनिंग टैक्टिक माना जा रहा है, जिसे संयम से संभाला जा रहा है। चिराग के समर्थकों ने चिराग को मुख्यमंत्री बनाने तक भी मांग कर दी है। चिराग पासवान की सीटों को लेकर जारी टकराव ने एकता को चुनौती दी है, उनकी मांगें जेडीयू और बीजेपी दोनों के लिए समस्या बन रही हैं।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

जनता के सवालों की अनदेखी रोकी जाए?

“ यह लोकतंत्र की ताकत ही है जिसमें सदन में पूछे गए सवालों का सत्ता पक्ष को जवाब देना होता है। लोकतंत्र की इस ताकत की कमजोरी का यह चिंताजनक उदाहरण ही कहा जाएगा, जिसमें विधानसभा में पूछे गए माननीयों के सवालों के जवाब अभी तक अनुत्तरित हैं। आंकड़े बताते हैं कई विधानसभा के तीन सत्रों में पूरे देश में हजारों प्रश्न लगे, जिनमें सैकड़ों प्रश्नों के जवाब का अभी तक इंतजार है।

अभी हाल में संसद समेत कई राज्य विधान सभाओं में मानसून सत्र खत्म हुआ है। पर ज्यादातर बैठकें सत्ता पक्ष व विपक्ष के शोरशराबे की भेंट चढ़ गया। सबसे ज्यादा नुकसान प्रश्नकाल का हुआ। ससंद या विधानसभा में प्रश्नकाल की व्यवस्था कोई आज की नहीं है। प्रश्नकाल सही मायने में जनता का मंच है, जिसमें जनता की आवाज जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्रदेश की इस सबसे बड़ी पंचायत में उठाई जाती है। यह लोकतंत्र की ताकत ही है जिसमें सदन में पूछे गए सवालों का सत्ता पक्ष को जवाब देना होता है। लोकतंत्र की इस ताकत की कमजोरी का यह चिंताजनक उदाहरण ही कहा जाएगा, जिसमें विधानसभा में पूछे गए माननीयों के सवालों के जवाब अभी तक अनुत्तरित हैं। आंकड़े बताते हैं कई विधानसभा के तीन सत्रों में पूरे देश में हजारों प्रश्न लगे, जिनमें सैकड़ों प्रश्नों के जवाब का अभी तक इंतजार है। एक तरह से हर दस में से एक सवाल का जवाब नहीं मिल सका है। सीधे तौर पर यह जनप्रतिनिधियों और जनता दोनों की ही अनदेखी समझी जानी चाहिए।

जनप्रतिनिधियों को ही सवालों का जवाब नहीं मिल पाए तो फिर जनता का भरोसा टूटता ही है। इन सवालों का मुख्य मकसद यही होता है कि जनसमस्याओं की तरफ सरकार का ध्यान जाए और उनके समाधान की दिशा में काम हो। विधानसभा में मांगी गई हर जानकारी को प्राथमिकता से पूरी कराना सिस्टम की जिम्मेदारी है। गांवों में क्षतिग्रस्त सड़कों का मामला हो या फिर अस्पताल में डॉक्टरों की कमी, किसानों की खाद-बीज की समस्या हो या फिर रोजगार का संकट। ये जनता से जुड़े सीधे मुद्दे हैं, जिनकी अनदेखी तो होनी ही नहीं चाहिए। कई राज्यविधानसभा का चौथा सत्र शुरू हो चुका है और हजारोंनए सवाल पहले ही लग चुके हैं। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि पिछली बार के अधूरे सवालों का क्या होगा? अगर पुराने सवालों के जवाब ही न मिले तो नए सवाल तो संख्या बढ़ाने वाले ही होंगे। सरकार को चाहिए कि प्रश्नों के उत्तर देने के लिए विभागों पर सत समय-सीमा तय करे। जवाब लंबित रहने पर जिमेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। विधानसभा को भी जिम्मेदारों के टालमटोल वाले इस पर कठोर रुख अपनाना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पीड़ितों की मदद हेतु हमारी जवाबदेही

पंकज चतुर्वेदी

पंजाब इस समय भीषण बाढ़ की त्रासदी झेल रहा है, जहां गांव जलमग्न हो गए हैं, घर बर्बाद हो गए हैं और खेतों में फसल की जगह बालू भर गई है। यह संकट केवल पानी उतरने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि भविष्य में समस्याएं और गहराएंगी। इस समय खेती और पशुधन से संपन्न पंजाब में नदियों-नालों में आये उफान के कारण तीन लाख एकड़ से ज्यादा फसली जमीन को नुकसान हुआ है। सबसे ज्यादा असर धान, मक्का, सब्जियों और अन्य खरीफ फसलों पर हुआ है। सीमा से लगे गुरदासपुर, पठानकोट, होशियारपुर, जालंधर, फाजिल्का, कपूरथला व आसपास के गांवों में घर, सड़क और दुकानें पानी में डूब गई हैं। अब तक करीब 2.56 लाख से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। बाढ़ प्रभावित पंजाब में भारी तबाही के चलते बड़ी मात्रा में राहत सामग्री की आवश्यकता है। भोजन की व्यवस्था हो रही है, लेकिन साफ पेयजल की भारी कमी है क्योंकि वाटर ट्रीटमेंट प्लांट बंद हैं और गंदा पानी पीने से हैजा फैलने का खतरा है।

रोज लाखों बोतल पानी, बिना बिजली वाले फिल्टर, बड़े आरओ, इन्वर्टर, बैटरी, मोमबत्तियां, माचिस और छोटे जनरेटर की तत्काल जरूरत है क्योंकि बिजली बहाल होने में लंबा समय लगेगा। साथ ही महामारी रोकने के लिए फिनाइल, क्लोरीन पाउडर, मच्छर मारने की दवाइयों व क्रीम की भी तुरंत आवश्यकता है। बारिश थमने के बाद सबसे बड़ी चुनौती होगी बाढ़ग्रस्त इलाकों से पानी, कीचड़, मलबा और मरे जानवरों का निस्तारण करना। इसके लिए बड़े पंप, जेसीबी, डंपर, ईंधन, सफाई उपकरण व सुरक्षात्मक सामान की तत्काल जरूरत है। सरकारी तंत्र के पास इतनी मशीनरी तुरंत उपलब्ध नहीं होती, इसलिए समाज के लोगों को चाहिए कि वे ऐसे उपकरण राज्य सरकार को भेंट करें, ताकि पुनर्वास कार्य तेजी और प्रभावी ढंग से हो सके। राहत कार्यों में बड़ी व्यवस्थाओं के साथ-साथ पीड़ित आम लोगों की व्यक्तिगत जरूरतों की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। मधुमेह, ब्लडप्रेशर, थायराइड जैसे रोगियों को नियमित दवाएं चाहिए, जो बाढ़ में नष्ट हो चुकी हैं।

मानसिक तनाव और सीमित राहत सुविधाओं से अव्यवस्थित लोग बढ़ रहे हैं। ऐसे में दवाइयां, पेयजल, डेटॉल, फिनाइल, क्लोरिन टैबलेट्स, संक्रमण व बुखार की दवाएं, ग्लूकोज, सेलाइन जैसी चीजें तत्काल आवश्यक हैं। पुराने कपड़े या अनाज जैसी चीजें फिलहाल उपयोगी नहीं होंगी। संपन्न लोगों को आगे बढ़कर पुनर्निर्माण में योगदान देना होगा-जैसे दूरदराज के गांवों के लिए सीमेंट, लोहा जैसी निर्माण सामग्री भेजना। करीब ढाई लाख लोग पूरी तरह बेघर हो गए हैं, बाजार-वाहन तबाह हो चुके हैं। ऐसे में बीमा दावों का त्वरित और सही निपटारा बड़ी राहत हो सकता है। लेकिन राज्य मशीनरी खुद संभलने में व्यस्त है, इसलिए शिक्षित स्वयंसेवकों की जरूरत है जो नुकसान का सही आकलन कर, बीमा कंपनियों पर भुगतान के लिए दबाव बना सकें और सरकार की योजनाओं का लाभ प्रभावितों तक पहुंचा सकें। बाढ़ के बाद जीवन को फिर से पटरी पर लाने में सबसे बड़ी बाधा होगी, सरकारी राहत पाने की प्रक्रिया, क्योंकि पैसा उन्हीं के खातों में आएगा जिनके पास आधार कार्ड है। जिनका सब कुछ बाढ़ में बह गया, उनके पास पहचान पत्र भी नहीं बचे। ऐसे में राहत की रकम देर से मिलना व्यर्थ होगा। इस स्थिति में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों की जरूरत है, जो दूर शहरों में बैठकर प्रभावितों के आधार जैसे दस्तावेज़ ऑनलाइन निकालकर उन तक पहुंचा सकें, ताकि समय पर उन्हें मदद मिल सके। हालात कुछ सुधरने पर शिक्षा की जरूरत सामने आएगी, लेकिन तब तक दो लाख से अधिक बच्चों के स्कूल, बस्ते, किताबें सब कुछ बाढ़ में बह चुके होंगे। ऐसे में यदि हर घर से त्योहारों के तोहफों के रूप में एक-

एक बच्चे के लिए बस्ता, किताबें, स्टेशनरी, टिफिन बॉक्स और पानी की बोतल भेजी जाए तो पंजाब के भविष्य को संवारने में मदद मिलेगी। पाठ्यपुस्तकों की पुन: छपाई, फर्नीचर व ब्लैकबोर्ड की व्यवस्था, और बच्चों के पोषण के लिए बिस्किट व सूखे मेवे जैसे सुरक्षित खाद्य पदार्थों की भी तत्काल आवश्यकता है।

इसके लिए स्थानीय स्तर पर संस्थागत और व्यक्तिगत प्रयास जरूरी हैं। यदि आवश्यकतानुसार मदद न मिले तो यह समय व संसाधन का नुकसान ही है। आज तक इस बात पर कोई दिशा-निर्देश बनाए ही नहीं गए कि आपदा की स्थिति में किस तरह की तात्कालिक तथा दीर्घकालिक सहयोग की आवश्यकता होती है। ऐसे संकट के समय में एक सच्चा नागरिक वही है, जो अपने संकटग्रस्त देशवासियों के साथ खड़ा होता है।

वर्दी में फौजी से लेकर यूनिकॉर्न बनने तक

लेफ्टिनेंट जनरल एसएस मेहता सेवानिवृत्त

युद्धक्षेत्र से लेकर स्टार्टअप तक, निष्ठा भारत का सबसे ज्यादा अप्रयुक्त संसाधन है। यह ऑपरेशन सिंदूर में साबित भी हुआ। प्रतिवर्ष 70,000 प्रशिक्षित सेवानिवृत्त फौजी देश के अर्थतंत्र में शामिल होते हैं। इस नवीकरणीय पूंजी में कौशल, निर्णय शक्ति छिपी है। एक द्वितीय लाभांश नीति बनाकर इन सेवानिवृत्त दिग्गजों को उन नियोक्ताओं से जोड़ सकते हैं, जो इन्हीं क्षमताओं को ढूंढ़ रहे हैं। भारत की अधिकांश नीतिगत शब्दावली अभी भी सैनिकों की पेंशन को एक 'बोझ' के रूप में वर्णित करती है। जबकि यह एक गलतफहमी है। जिसे दायित्व कहा जाता रहा है, वह दरअसल एक विलंबित मान्यता है। जिसे लागत कहकर खारिज किया जाता है, वह असल में गणतंत्र के लिए द्वितीय लाभांश है। कुरुक्षेत्र से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक, निष्ठा भारत में निरंतर क्रम है, और यह 40 साल उम्र में खत्म नहीं हो जाती। ऑपरेशन सिंदूर इसका ताजा प्रमाण है 22 मिनट की सटीकता, 88 घंटे की सतर्कता, और फिर युद्धबंदी। आज की बिखरी विश्व व्यवस्था में बहुत कम राष्ट्र अपने पास इतने बड़े पैमाने का अनुशासन होने का दावा कर सकते हैं।

निष्ठा कोई नई नहीं है। इसने 1971 में टैंकों को मेघना नदी पार करवा दी, 2025 में इसी ने दृष्टि की सीमा से परे ठिकानों पर सटीक आयुधों की मार का प्रदर्शन किया। निष्ठा भारत की सबसे बड़ी रणनीतिक विरासत है। पेंशन के मायने ही गलत ब्रिटिश हुकूमत ने पेंशन की रूपरेखा एक मान्यता के रूप में नहीं बनाई थी। एक ऐसा बंधन, जो वफादारी को बांधे रखने में पर्याप्त, लेकिन अपने हाल पर छोड़ देने में सदा नाकाफी। आजाद भारत को यह रूपरेखा विरासत में मिली, और अर्थशास्त्रियों ने पेंशन को आर्थिक घाटा व निकासी मान, इस गलती को और पुख्ता किया। लेकिन जिसे हमारे बहीखाते 'पेंशन बोझ' कहते हैं, वह वास्तव में नवीकरणीय पूंजी है प्रति वर्ष 70,000 प्रशिक्षित सेवानिवृत्त फौजी, बिना किसी पुन-उपयोग योजना के, देश के अर्थतंत्र में शामिल होते हैं।

उनपर लगे प्रत्येक रुपये में दशकों के कौशल, निर्णय शक्ति और सहनशीलता छिपी है, एक ऐसी पूंजी जिसे कोई अन्य राष्ट्र इतनी आसानी से व्यर्थ जाने देना नहीं चाहेगा। हमारा अंध बिंदु एक राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक के एक लेख में भानु प्रताप ने लिखा है 'अग्रणी व्यवसायियों को अक्सर शिकायत रहती है कि देश में कुशल मानव पूंजी की कमी है, हालांकि इसका निर्माण करने को निवेश करने में वे सदा अनिच्छुक रहे।' इस बीच, हर साल हमारा गणतंत्र अपनी सबसे अनुशासित, मिशन को तैयार प्रतिभा को फालतू हुआ मानता आ रहा है, जबकि उन्हीं क्षेत्रों में कुशल कामगार लाने या पुन: प्रशिक्षण पर अरबों खर्चे जाते हैं। यह अकुशलता नहीं बल्कि औद्योगिक अनदेखी है। सही नीति से स्थिति सुधर सकती है। प्रतिबद्धता बनाम अनुबंध भारत स्थायी भरोसे की अहमियत समझता है; यह स्मृति में अंकित है। फिर भी, नीतिगत शब्दावली में, उस भरोसे को का अर्थ अक्सर रोज़गार से जोड़ दिया गया है। एक ऐसे लोकतंत्र में, जहां नौकरी ताकत पाने का शॉर्टकट हो, पेंशन को हक जताना मान लिया गया।

बेढंगी योजनाएं नौकरी को अनुभव पाने का जरिया और प्रतिज्ञा को अनुबंध के रूप में देखने लगीं। अल्प-सेवा योजनाओं का मोल वे भर्ती को व्यापक बनाती हैं और युवा ऊर्जा लेकर आती हैं। जो लोग सेना छोड़ देते हैं, वे समाज में अनुशासन साथ लेकर जाते हैं। किंतु अनुबंध, सोच-समझकर कुछ ऐसा बनाया गया है कि भर्ती होते वक्त से ही सेवानिवृत्ति के लिए भी मानसिक तैयार कर दे। दूसरा लाभांश लंबी सेवा पर निर्भर करता है, जहां प्रतिबद्धता, निर्णय क्षमता और फिर आगे पूंजी के रूप में परिपक्व हो जाती है। दृढ़ता तभी बढ़ती है जब सैनिक वर्दी को अपना घर, सम्मान और कई मामलों में विरासत होने का दावा कर सके। द्वितीय लाभांश की राह लंबी है, यह अनुभव को नवीनीकरण से जोड़ता है, जहां नवोन्मेष करने वाले को अपने लिए बीज मिल सकते हैं। विदेशों में विरोधाभास जहां भारत में निष्ठा को बोझ का नाम दिया जा रहा है वहीं दूसरे देशों ने इसे कतई त्याग दिया रूस और यूक्रेन फिर से सामूहिक सैन्य भर्ती करने पर निर्भर हो गए हैं-संख्याबल बनाए रखने को अनुभव से समझौता और मारे गये सैनिकों की जगह लेने के लिए नए युवा लाना। पश्चिम एशिया सशस्त्र लड़ाकू गुटों में बंटा हुआ है, जहां निष्ठा अर्जित नहीं, खरीदी जाती है। नतीजन, अंतहीन लड़ाइयां, बरसों खिंचने वाले युद्ध, जिनको केवल बही खातों और हताहतों के आंकड़ों से मापा जाता है।

इसके उलट, भारत के पास सेवानिवृत्त फौजी रूपी अनुशासित लाभांश उपलब्ध हैं – बतौर अनाड़ी रंगरूट नहीं, न ही भाड़े के बंदूकधारी, बल्कि उच्च कौशल और निर्णय दक्षता प्राप्त स्त्री-पुरुष। घर में व्यर्थ जाता लाभांश हर साल हजारों सैनिक अपनी पेशेवर क्षमता के चरम पर सेवानिवृत्ति श्रेणी में शामिल हो जाते हैं – अगुवाई करने की दक्षता प्राप्त इंजीनियर, आपूर्ति शृंखला में पारंगत,चिकित्सक, संचार विशेषज्ञ आदि। गणतंत्र इस पूंजी को आकार देने में दशकों लगा देता है, लेकिन फिर इनके पुन: उपयोग की कोई योजना न बनाकर, इसको व्यर्थ जाने देता है। फौज में आपूर्ति शृंखला में काम चुका एक पूर्व सैनिक इस क्षेत्र में कमियां दूर कर सकता है। फील्ड अस्पतालों में प्रशिक्षित नर्सिंग सहायक गांवों में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को विस्तार दे सकती है। उन्नत प्रणालियों में कुशलता अर्जित कर चुके एक तकनीशियन को सेवानिवृत्ति उपरांत अक्सर बैंक गार्ड लगाकर उसका सारा अनुभव बेकार जाने दिया जाता है। फौजियों से बनी प्रादेशिक सेना को भी पुनर्कल्पित कर,नागरिक सुरक्षा में व्याप्त कमियों को पाटा जा सकता है। ये पुनर्निवेश की बाट जोहते लाभांश हैं।

गुरु गोविन्द दोऊ खड़े काके लागूं पाएं।
बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दिओ बताए।।

अगर आपको सही में ये समझ नहीं आ रहा है कि टीचर्स डे के मौके पर आप अपने शिक्षक को कौन सा तोहफा दे सकते हैं तो ग्रीटिंग कार्ड और बुके आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। कई ऐसे ऑनलाइन वेबसाइट मौजूद हैं जो विशेष दिन पर गिफ्ट्स होम डिलिवरी करते हैं। ऐसे में आप अपने पसंदीदा टीचर को ग्रीटिंग कार्ड और फूलों का गुलदस्ता भेज सकते हैं। आप चाहें तो इस

दें ग्रीटिंग कार्ड और बुके

ग्रीटिंग कार्ड पर खास मैसेज भी लिखवा सकते हैं। टीचर्स डे के मौके पर कई तरह के डिजाइनर पेपर वेट भी शिक्षकों को गिफ्ट में दिए जा सकते हैं। कॉफी मग भी आकषर्क गिफ्ट्स में से एक है। आजकल मार्केट में कस्टमाइज कॉफी मग भी मौजूद हैं। आप कॉफी मग पर अपने टीचर की तस्वीर, उनका नाम या फिर प्यारा सा मैसेज डिजाइन करवा कर भी उसे गिफ्ट में दे सकते हैं। इसके अलावा शिक्षक को पेन भी गिफ्ट कर सकते है।

जीवन में ईश्वर से बढ़कर है गुरु का स्थान

शिक्षक दिवस का मौका हम सबके लिए खास होता है। 5 सितंबर का दिन एक ऐसा दिन होता है जब हम अपने गुरुओं (शिक्षकों) के द्वारा किए गए मार्गदर्शन और ज्ञान के बदले हम उन्हें श्रद्धा से याद करते हैं। इस मौके पर लोग अपने शिक्षकों को फोन करते हैं, उनसे मिलने जाते हैं या सोशल मीडिया पर उनकी यादगार तस्वीर साझा करते हैं। यह सब अपने गुरु के प्रति आदर-सम्मान दर्शाना होता है। हम सभी आज जो भी अपने शिक्षकों के प्रयासों और नेक मार्गदर्शन के कारण ही हैं। भारतीय जीवन-दर्शन में गुरुओं को ईश्वर से भी बढ़कर बताया गया है।

इतिहास

शिक्षक दिवस की शुरुआत और इसके इतिहास के बारे में बात करें तो द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को तमिलनाडु में हुआ था। उन्हीं के सम्मान में इस दिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉ. राधाकृष्णन देश के द्वितीय राष्ट्रपति थे और उन्हें भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद्, महान दार्शनिक और एक आस्थावान हिन्दू विचारक के तौर पर याद किया जाता है। पूरे देश को अपनी विद्वता से अभिभूत करने वाले डा. राधाकृष्णन को भारत सरकार ने सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से अलंकृत किया था। शिक्षकों को सम्मानित करने के लिए एक सभा का आयोजन करें और उसमें अपने साथी का सहयोग करें।

सर्वपल्ली राधा कृष्णन ने कहा कि पूरी दुनिया एक विद्यालय है जहां से कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। जीवन में शिक्षक हमें केवल पढ़ाते नहीं, वे अच्छे-बुरे के बीच फर्क करना सिखाते हैं। कहा जाता है कि राधाकृष्णन छात्रों की पढ़ाई से ज्यादा उनके बौद्धिक विकास पर ध्यान देते थे। भगवान हम सबके भीतर रहता है, महसूस करता है और कष्ट सहता है और समय के साथ उसके गुण, ज्ञान, सौन्दर्य और प्रेम हममें से हर एक के अन्दर उजागर होंगे। पुस्तकें वह साधन हैं जिनके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृतियों के बीच पुल का निर्माण कर सकते हैं।

टीचर्स डे का महत्व

5 सितंबर को छात्र अपने प्रिय शिक्षकों के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करने के लिए प्रदर्शन, नृत्य और विस्तृत शो जैसी विभिन्न गतिविधियां आयोजित करते हैं। यहां तक कि उन लोगों के लिए भी जो अब स्कूल या कॉलेज में नहीं हैं, शिक्षक दिवस अपने गुरुओं के प्रति आभार व्यक्त करने और शिक्षकों के उनके जीवन पर पड़े गहरे प्रभाव को स्वीकार करने का एक उत्कृष्ट अवसर है। शिक्षक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की नींव हैं और अक्सर अपने छात्रों की सफलता पर गर्व करते हैं।

हंसना मना है

मास्टरजी- दीवारों के भी कान होतें है, ये मुहावरे के हिसाब से हमें किस चीज में सावधानी रखनी चाहिये? पिंटू- सर.. मैं बताऊं? हमें दीवारों पे पेशाब नहीं करना चाहिये, वर्ना उनकें कान में पानी चला जायेगा!

टीचर- बिजली कहां से आती है? टीटू - सर, मामाजी के यहां से। टीचर- वो कैसे? टीटू- जब भी बिजली जाती है पापा कहते हैं, सालों ने फिर बिजली काट दी।

मास्टर- हाथ कंगन तो आरसी क्या, इस मुहावरे का अर्थ कौन बतायेगा? पप्पू - मैं बताऊं मास्टर जी, मास्टर- हां बता, पप्पू- हाथ कंगन तो आरसी क्या, इसका मतलब जो लड़कियां हाथ में कंगन पहनकर स्कूटी चलाती हैं पुलिस उनसे आरसी नहीं मांगती? मास्टर बेहोश।

कस्टमर- अगर मैं आज चेंक जमा करू तो वो कब क्लियर होंगा? क्लर्क - 3 दिन में, कस्टमर- मेरा चेक तो सामने वाली बैंक का है, दोंनों बैंक आमने-सामने है फिर भी इतना समय क्यों? क्लर्क - सर, 'प्रोसिजर तो फालो' करना पड़ता हैं ना, सोंचो आप कहीं जा रहे हों और बाजु में ही शमशान हैं, अगर आप शमशान के बाहर ही मर गये, तो आपको पहले घर लेकर जायेंगे या वहीं निपटा देंगे? कस्टमर बेहोश?

कहानी | बहरे भक्त का सत्संग प्रेम

एक संत के पास बहरा आदमी सत्संग सुनने आता था। किसी ने संतश्री से कहा-बाबा जी! वे जो वृद्ध बैठे हैं, वे कथा सुनते-सुनते हंसते तो हैं पर वे बहरे हैं। बहरे मुख्यत: दो बार हंसते हैं, एक तो कथा सुनते-सुनते जब सभी हंसते हैं तब और दूसरा, अनुमान करके बात समझते हैं तब अकेले हंसते हैं। बाबा जी ने कहा-जब बहरा है तो कथा सुनने क्यों आता है? बाबाजी सोचने लगे, बहरा होगा तो कथा सुनता नहीं होगा और कथा नहीं सुनता होगा तो रस नहीं आता होगा। रस नहीं आता होगा तो यहां बैठना भी नहीं चाहिए, उठकर चले जाना चाहिए। यह जाता भी नहीं है! बाबाजी ने उस वृद्ध को बुलाया और उसके कान के पास ऊंची आवाज में कहा-कथा सुनाई पड़ती है? उसने कहा-क्या बोले महाराज? बाबाजी ने आवाज और ऊंची करके पूछा-मैं जो कहता हूं, क्या वह सुनाई पड़ता है? उसने कहा-क्या बोले महाराज? बाबाजी समझ गये कि यह नितांत बहरा है। बाबाजी ने सेवक से कागज कलम मंगाया और लिखकर पूछा। वृद्ध ने कहा-मेरे कान पूरी तरह से खराब हैं। मैं एक भी शब्द नहीं सुन सकता हूं। कागज कलम से प्रश्नोत्तर शुरू हो गया। फिर तुम सत्संग में क्यों आते हो? बाबाजी! सुन तो नहीं सकता हूं लेकिन यह तो समझता हूं कि ईश्वर प्राप्त महापुरुष जब बोलते हैं तो पहले परमात्मा में डुबकी मारते हैं। संसारी आदमी बोलता है तो उसकी वाणी मन व बुद्धि को छूकर आती है लेकिन ब्रह्मज्ञानी संत जब बोलते हैं तो उनकी वाणी आत्मा को छूकर आती हैं। मैं आपकी अमृतवाणी तो नहीं सुन पाता हूं पर उसके आंदोलन मेरे शरीर को स्पर्श करते हैं। दूसरी बात, आपकी अमृतवाणी सुनने के लिए जो पुण्यात्मा लोग आते हैं उनके बीच बैठने का पुण्य भी मुझे प्राप्त होता है। बाबा जी ने देखा कि ये तो ऊंची समझ के धनी हैं। उन्होंने कहा - आप दो बार हंसना, आपको अधिकार है किंतु मैं यह जानना चाहता हूं कि आप रोज सत्संग में समय पर पहुंच जाते हैं और आगे बैठते हैं, ऐसा क्यों? मैं परिवार में सबसे बड़ा हूं। बड़े जैसा करते हैं वैसा ही छोटे भी करते हैं। मैं सत्संग में आने लगा तो मेरा बड़ा लड़का भी इधर आने लगा। शुरुआत में कभी-कभी मैं बहाना बना के उसे ले आता था। मैं उसे ले आया तो वह अपनी पत्नी को यहां ले आया, पत्नी बच्चों को ले आयी, सारा कुटुम्ब सत्संग में आने लगा, कुटुम्ब को संस्कार मिल गये। ब्रह्मचर्चा, आत्मज्ञान का सत्संग ऐसा है कि यह समझ में नहीं आये तो क्या, सुनाई नहीं देता हो तो भी इसमें शामिल होने मात्र से इतना पुण्य होता है कि व्यक्ति के जन्मों-जन्मों के पाप-ताप मिटने एवं एकाग्रतापूर्वक सुनकर इसका मनन-निदिध्यासन करे उसके परम कल्याण में संशय ही क्या !

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा।

वृषभ दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

कर्क पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

सिंह परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। समय अनुकूल है।

कन्या कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। योजना फलीभूत होगी। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा।

तुला किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी।

वृश्चिक चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

धनु जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी। नौकरी में चैन रहेगा।

मकर भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे।

कुम्भ कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

मीन दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। बनते कामों में देरी होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

कास्टिंग काउच के कारण मुझे प्रोजेक्ट्स से हाथ धोना पड़ा : कुनिका

कुनिका सदानंद ने 90 के दशक में लीड एक्ट्रेस बनने का सपना लेकर बॉलीवुड में कदम रखा था। उस समय, उनके लुक्स की खूब चर्चा होती थी, लेकिन उन्होंने ज्यादातर पर्दे पर सहायक और निगेटि रोल्स ही किए। उन्होंने हम साथ साथ हैं में रीमा लागू की दोस्त और प्यार किया तो डरना क्या में सलमान खान की सौतेली मां का किरदार निभाया और पर्दे पर खलनायकों के किरदारों के लिए सबसे अच्छा ऑप्शन भी बन गईं। एक्ट्रेस को इन दिनों बिग बॉस सीजन 19 में देखा जा रहा है जहां उनका गेम साफ दिखाई दे रहा है। इंडस्ट्री में इस मुकाम तक पहुंचने का सफर कुनिका सदानंद के लिए आसान नहीं था। एक्ट्रेस ने कहा है कि फिल्मों के क्षेत्र में जगह बनाना आसान नहीं था और कास्टिंग काउच के कारण उन्हें कई प्रोजेक्ट्स से हाथ धोना पड़ा। जनवरी 2025 में सिद्धार्थ कन्नन के साथ एक इंटरव्यू में, कुनिका ने एक ऐसी घटना के बारे में खुलासा किया जिसने उन्हें दिल तोड़ दिया था। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें एक बड़ी फिल्म के लिए सेलेक्ट किया गया था, लेकिन समझौता करने से इनकार करने के बाद उस फिल्म से हटा दिया गया था। कुनिका ने कहा, मैं अपना साइनिंग अमाउंट लेने के लिए ऑफिस गई थी, लेकिन उन्होंने मुझे बताया कि मुझे बदल दिया जा रहा है क्योंकि मैं समझौता नहीं करूंगी। एक्ट्रेस ने याद किया कि कैसे महिला निर्माता ने क्लियर डिसीजन लिया, यहां तक कि इसे सही ठहराने के लिए परेशान करने वाली भाषा का भी इस्तेमाल किया। कुनिका के अनुसार, निर्माता ने उनसे कहा, मैं अपने साथ दो भूखे शेरों को ले रही हूं, इसलिए मुझे उन्हें मांस का एक टुकड़ा खिलाना होगा। शब्दों ने उन्हें गहराई से झकझोर दिया। उन्होंने ये भी कहा कि वह रो पड़ीं, जिस फिल्म का वह बेसब्री से इंतजार कर रही थीं, उसे खोने पर तबाह सी हो गईं।

डॉन 3 में रणवीर सिंह संग धमाल मचायेंगे अमिताभ बच्चन-शाहरुख

डॉन 3 का इंतजार दर्शकों को बेसब्री से है। जब से फिल्म के बनने का ऐलान हुआ है, इसके चाहनेवालों का दिल खुश है। इस बार डॉन के रूप में शाहरुख खान को नहीं बल्कि रणवीर सिंह को देखा जाएगा। फिल्म में अन्य एक्टर्स को लेने के चलते लंबे वक्त से कई अफवाहें आ रही हैं। सूत्र ने बताया कि अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान इस फिल्म का हिस्सा हो सकते हैं।

बॉलीवुड के शहंशाह और बॉलीवुड के बादशाह कहलाने वाले अमिताभ और शाहरुख ने पहले डॉन फ्रेंचाइजी में कमाल किया है। अमिताभ बच्चन, बॉलीवुड के ओरिजिनल डॉन हैं, जिन्होंने 1978 में आई फिल्म में शानदार प्रदर्शन किया था। इसके बाद 2006 में फिल्म का रीमेक बना, जिसमें शाहरुख खान को देखा गया था। 2011 में शाहरुख ने डॉन 2 के जरिये अपनी धाक जमाई थी।

अब खबर है कि शाहरुख और अमिताभ को डॉन 3 का हिस्सा बनने के लिए अप्रोच किया गया है।

इंडस्ट्री के इनसाइडर की मानें तो बिग बी और किंग खान दोनों ही इस ऑफर के बारे में सोच रहे हैं। दोनों को लेकर अभी कोई बात पक्की नहीं हुई है, लेकिन डॉन की तीनों जनरेशन को साथ में पर्दे पर देखने की संभावना है। अगर ये चीज मुमकिन हो गई, तो ये पहली बार होगा जब अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और रणवीर सिंह साथ में स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे।

फिल्म डॉन 3 को लेकर अफवाहें बीते कई दिनों से चल रही हैं। इसकी कहानी को लेकर बहस से लेकर शाहरुख खान के दोबारा इसमें दिखने तक, ये फिल्म चर्चाओं के माध्यम से दर्शकों के बीच दिलचस्पी बढ़ा रही है। बताया ये भी जा रहा है कि फिल्ममेकर फरहान अख्तर, डॉन 3 के साथ अपनी सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं, जिसका मतलब है कि ये नई फिल्म बड़े बजट में बनने जा रही है।

डॉन फ्रेंचाइजी बॉलीवुड के इतिहास में अपनी अलग और खास जगह रखती है।

सलमान खान हमेशा मेरे साथ खड़े रहे : भाग्यश्री

लगभग 36 साल पहले फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान और भाग्यश्री की रोमांटिक जोड़ी ने बॉलीवुड में तहलका मचा दिया था। इस फिल्म के बाद अचानक भाग्यश्री ने शादी कर ली। इस शादी के लिए जहां उनके परिवार वाले राजी नहीं थे, वहीं सलमान ने बहुत सपोर्ट किया। इसी बात को हाल ही में भाग्यश्री ने एक इंटरव्यू में साझा किया है।

हाल ही में ब्यूटी बाय बाइ के पॉडकास्ट में भाग्यश्री ने अपनी शादी से जुड़ा किस्सा साझा किया। वह कहती हैं, 'सलमान हमेशा मेरे साथ खड़े रहे। वह बहुत प्रोटेक्टिव थे। जब मैंने शादी करने का फैसला किया, तो मेरी तरफ से कोई नहीं था। लेकिन सलमान पूरे समय मेरे साथ थे और वही सबसे आखिर तक शादी मे रहे। मुझे उनसे इस बात की उम्मीद नहीं थी। मैं कहूंगी कि वह बहुत शरारती थे, लेकिन वह बहुत प्यारे भी थे।' बताते चलें कि भाग्यश्री और हिमालय ने 1989 में शादी कर ली थी।

इस साल सलमान और भाग्यश्री की फिल्म 'मैंने प्यार किया' रिलीज हुई, जो बहुत बड़ी हिट साबित हुई। भाग्यश्री और हिमालय दासानी की शादी के लिए घरवाले राजी नहीं थे, तो वह घर से भाग गए थे। अपने इंटरव्यू में भाग्यश्री ने सलमान खान के स्टारडम को लेकर भी बात की। वह कहती हैं, 'सलमान ने जिस तरह का स्टारडम देखा है, मुझे शक है कि आज के किसी भी यंग स्टार को उस तरह का स्टारडम मिल पाएगा। मुझे लगता है कि उनका स्टारडम राजेश खन्ना जैसा था।'

भाग्यश्री ने चाहे फिल्म 'मैंने प्यार किया' के बाद शादी कर ली और करियर से ब्रेक ले लिया। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से वह फिल्म, वेब सीरीज में एक्टिव हैं।

अजब-गजब | इनके बारे में जानकर आपके पैरों से खिसक जाएगी जमीन!

जादुई जीवन जीती हैं ये पुजारिन, लोग समझते हैं चुड़ैल

जादू टोना कर लोगों को परेशान करने, उन्हें मारने वाली महिला को लोग डायन कहते हैं. कई लोगों का मानना है कि यह बहुत गलत परिभाषा है। ऐसे लोग कहते हैं कि डायन या चुड़ैल या अंग्रेजी में विच कही जाने वाली महिलाओं के बारे में अक्सर गलत ही धारणा रखी जाती है। जादू टोने में विश्वास और उसकी प्रैक्टिस करने वाली महिलाएं क्या करती हैं और उनके विश्वास किस तरह की यह जानकारी एक पुजारिनों की मुखिया ने विस्तार से बताया है जो कि अपने आप में कम हैरान करने वाला नहीं है।

ब्रिटेन के बर्मिंघम की रहने वाली 38 साल की अलेक्सिया कोस्टाडिना 20 साल से पगान गॉड्स की पूजा करती करती आ रही हैं। वे खुद को पगान हाई प्रीस्टेस यानी पुजारिन बताती हैं। वे अपने जैसी महिलाओं के बारे में कई खुलासे करती हैं और बताती हैं कि उनके जैसी महिलाओं के बारे में कितनी गलत धारणाएं हैं। अलेक्सिया का कहना है कि वे और उनकी जैसी महिलाएं सामान्य लोग हैं। लेकिन जादुई जीवन जीती हैं। वे एक चैरिटी वर्कर भी हैं और 13 विचेस या चुड़ैलों की हाई प्रीस्टेस हैं। उनके साथियों की उम्र 27 से 60 साल की है। अलेक्सिया को अपने विश्वास पर गर्व है। अलेक्सिया के समझने के लिए हमें पगानिज्म को समझना होगा। यह चंद्रमा के चरणों जैसे कुदरती चक्र पर ध्यान देता है। इसमें ज़ीउस और एंशिएंट हॉर्न्ड वन जैसे कई देवता शामिल हैं। वे कहती हैं कि, हम नॉर्मल लोग हैं, हम सिर्फ पेंटाग्राम्स पहनते हैं, अनुष्ठान करने वाले उपकरण रखते हैं और घर पर अल्टार रखते हैं, जैसे लोग लास्ट सपर की तस्वीरें दिखता है।

बचपन में अलेक्सिया ग्रीक ऑर्थोडॉक्स क्रिश्चियन थी, लेकिन धीरे धीरे वे चर्च से दूर होती चली गईं। 20 साल पहले पगानिज्म का चलन नहीं था बल्कि वह तो एक तरह से प्रतिबंधित था। अलेक्सिया कहती हैं, मैंने छोटे बुकशॉप्स और रहस्यवादी स्टोर्स से किताबें पढ़ीं, न कि कोई ऑनलाइन पढ़ाई की।

अलेक्सिया ने बर्मिंघम में टिड मोना कोवेन बनाया। यह 13 महिलाओं का समूह है। वे नियमित तौर पर समारोह करती हैं। मंत्र पढ़ती हैं और खास तरह के मिलन समारोह भी करती हैं। यह परंपरागत ब्रिटिश कोवेन हैं। कोविन उनके समुदाय की पुजारिनों के समूह को कहते हैं। ये ईसाई धर्म से पहले चली आ रही परम्पराओं और धारणाओं को मानता है। उनकी पूजा पद्धतियों में संरक्षण, न्याय, और धैर्य को फिर से जगाने के लिए मंत्र पढ़े जाते हैं। वे मौसम के बदलने का उत्सव मनाते हैं। कई देवता, पूर्वजों और जमीन की आत्माओं की पूजा करते हैं। इनकी खास बात ये उनकी सारी प्रक्रियाएं और परम्पराएं गुप्त होती हैं कभी भी किसी तरह का खून उनके समारोह या अनुष्ठान या प्रक्रियाओं में शामिल नहीं किया जाता है। लेकिन कुछ लोग ऐसा करते हैं।

अलेक्सिया बताती है कि पगानिज्म सोशल मीडिया के लिए दोधारी तलवार है। लेकिन अधूरी या गलत जानकारी खतरनाक हो सकती है। लेकिन वे जोर देकर कहती हैं कि वे बुरी आत्माएं जैसी शक्तियों की पूजा

यहां बच्चा पैदा करने पर मिलते हैं लाखों रुपए, भारतीय लड़की ने भी उठाया फायदा

सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो वायरल होते हैं, जो दूसरे देशों की सुविधाओं, नौकरियों और वहां की लाइफ से जुड़े होते हैं। इनमें से किसी वीडियो में कोई दुनिया के सबसे ठंडी जगह पर पहुंचकर वहां के लोगों की लाइफ दिखाता है, तो कोई दूसरे देशों में जाकर वहां के मुश्किल हालातों से लोगों को अवगत कराता है। लेकिन आज हम आपको एक ऐसा वीडियो दिखाने जा रहे हैं, जिसमें एक भारतीय महिला दक्षिण कोरिया में प्रेग्नेंसी के बाद मिलने वाली सुविधाओं के बारे में बतला रही है। इस वीडियो में नजर आ रही महिला का नाम नेहा अरोड़ा है, जो इंस्टाग्राम पर श्चद्व4द्यश्1द्गद्धद्दद्धश्चद्ब्रश्चद्धद्ग17 नाम के अकाउंट से मौजूद हैं। नेहा ने एक साउथ कोरियन शख्स से शादी की है और हाल ही में उन्होंने बच्चे को जन्म दिया। लेकिन साउथ कोरिया में प्रेग्नेंसी के दौरान मिलने वाली सुविधाओं के बारे में उन्होंने जो बताया, वो वाकई में हैरान करने वाला है। वीडियो में नेहा अपनी कहानी बताते हुए कहती हैं कि उन्हें दक्षिण कोरिया में प्रेग्नेंट होने पर पैसे मिले, वो भी लाखों रुपए। नेहा ने कहा कि जैसे ही उनकी प्रेग्नेंसी कन्फर्म हुई, कोरियाई सरकार ने उन्हें चेकअप और दवाओं के लिए 63,100 रुपये दिए। इसके अलावा पब्लिक ट्रांसपोर्ट (बस, टैक्सी या फ्यूल) के लिए भी 44,030 रुपये दिए गए। इसके बाद डिलीवरी के समय सरकार ने उन्हें 'बधाई के पैसे' के रूप में 1.26 लाख रुपये दिए। नेहा ने वीडियो में आगे बताया कि आर्थिक मदद यहीं पर नहीं रुकी। बच्चे के जन्म के बाद सरकार ने उन्हें एक साल तक हर महीने 63,100 रुपये दिए। इसके बाद एक से दो साल तक हर महीने 31,000 रुपये मिलते रहेंगे और दो से आठ साल तक हर महीने 12,000 रुपये दिए जाएंगे। यह सुनकर भारतीय यूजर्स ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। कई यूजर्स ने इसे कोरिया की अच्छी नीति बताया। वहीं, कई यूजर्स ने इसकी तुलना भारत से की। बता दें कि इस वीडियो को महज एक दिन के अंदर 35 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। वहीं, लगभग 60 हजार लोगों ने लाइक किया है। इस वीडियो पर सैकड़ों की संख्या में कमेंट्स आए। टेनी नाम की यूजर ने लिखा, अगर भारत सरकार प्रेग्नेंट होने के लिए पैसे देने लगे, तो कुछ ही समय में यहां की जनसंख्या एक ट्रिलियन (10 खरब) तक पहुंच जाएगी। लाबुबुडे नाम के यूजर ने लिखा, 卐यह बहुत अच्छा है, क्योंकि कोरिया की जन्म दर घट रही है।

मैं गर्व से कहता हूं हिंदू नहीं हूं

उमंग सिंघार के बयान से मचा घमासान

» कांग्रेस नेता बोले- हम आदिवासी हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस विधायक उमंग सिंघार ने छिंदवाड़ा में बड़ा दिया। जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद की बैठक और सम्मान समारोह में सिंघार ने कहा- मैं गर्व से कहता हूं कि हम आदिवासी हैं, हिंदू नहीं। यह बात मैं कई साल से कहता आ रहा हूं। कांग्रेस नेता सिंघार ने आदिवासी समाज की पहचान पर जोर देते हुए पौराणिक कथा का भी हवाला दिया। उन्होंने कहा कि जिन शबरी ने भगवान राम को जूठे बेर खिलाए थे, वह भी आदिवासी थीं।

जो आदिकाल से इस धरती पर वास कर रहे हैं, वही आदिवासी हैं। आदिवासी समाज को अपनी अलग पहचान स्थापित करने की आवश्यकता है, किसी भी सरकार को उनके मान-सम्मान की रक्षा करनी चाहिए। सिंघार के इस बयान का वीडियो भी सामने आया है जो अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। कुछ लोग इसे आदिवासी अस्मिता को मजबूती देने वाला बयान बता रहे हैं तो वहीं कुछ इसे राजनीतिक स्टंट बता रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के बयान पर कांग्रेस के आदिवासी कार्यकर्ता रामू टेकाम ने कहा कि उमंगजी ने हमारी भावनाओं को आवाज दी है। हमें अपनी सांस्कृतिक पहचान पर गर्व है। हालांकि, कुछ लोगों ने कहा कि इस तरह के बयान समाज में विभाजन पैदा कर सकते हैं। उमंग सिंघार के इस बयान पर सियासी घमासन शुरू होने के आसार है। प्रदेश की सत्ता में बैठी भाजपा आदिवासियों के हिंदू होने की बात कहती है। कुछ आदिवासी भी खुद को हिंदू मानते हैं। ऐसे में सिंघार के इस बयान का विरोध भी देखने को मिल सकता है। हालांकि, राजनीतिक जानकारों का कहना है कि यह बयान आदिवासी वोट बैंक को कांग्रेस के पाले में लाने की एक कोशिश का हिस्सा भी हो सकता हैं। हालांकि, सिंघार के बयान पर अब तक भाजपा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। लेकिन, माना जा रहा है कि जल्द ही भाजपा इस बयान पर कांग्रेस का घेराव कर सकती है।

सिद्धरमैया ने सौजन्या मामले पर भाजपा की खिल्ली उड़ाई

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने बलात्कार के बाद कत्ल की गई सौजन्या की मां को दिए गए भाजपा के उस आश्वासन की खिल्ली उड़ाई, जिसमें कहा गया था कि यदि परिवार इस मामले को लेकर उच्चतम न्यायालय जाता है तो पार्टी उसका सारा खर्च वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगे क्या करना है, यह केवल सौजन्या की मां को ही तय करना है। दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल में 2012 में सौजन्या का अपहरण कर उसके साथ दुष्कर्म किया गया था, जिसके बाद उसकी हत्या कर दी गई थी। इस मामले की जांच सीबीआई ने की थी, लेकिन सबूतों के अभाव में आरोपी को बरी कर दिया गया। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने एक सितंबर को अपनी पार्टी के 'धर्मस्थल चलो' अभियान के तहत सौजन्या की मां से मुलाकात की थी और उन्हें आश्वासन दिया था कि वह और उनकी पार्टी इस मामले को न्यायालय में उठाने में उनके साथ खड़े रहेंगे। अब सिद्धरमैया ने कहा कि सीबीआई किसके नियंत्रण में है।

झामुमो ने बिहार में 12 सीटों पर ठोकी दावेदारी

» महागठबंधन में सीट बंटवारे पर संशय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर सरगर्मी बढ़ गई है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने इस बार बिहार में सक्रि य दावेदारी पेश करते हुए 12 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग रखी है। सूत्रों के मुताबिक, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हाल ही में अपने बिहार प्रवास के दौरान राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव से मुलाकात की थी।

इस दौरान उन्होंने झामुमो की तैयारी और 12 सीटों पर दावेदारी का प्रस्ताव रखा। झामुमो ने जिन विधानसभा सीटों पर दावेदारी की है, उनमें कटोरिया, चकाई, ठाकुरगंज, कोचाधामन, रानीगंज, बनमनखी, धमदाहा, रुपौली, प्राणपुर, छातापुर, सोनवर्षा, झाझा, रामनगर, जमालपुर, तारापुर और मनिहारी शामिल हैं। झामुमो की बिहार इकाई ने पहले 16 सीटों पर चुनाव लड़ने का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन अब संभावना है कि पार्टी कम से कम 12 सीटों पर मैदान में उतरेगी। झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता और केंद्रीय समिति सदस्य मनोज पांडेय ने कहा कि महागठबंधन में झामुमो की हिस्सेदारी तय हो गई है और पार्टी को उसकी राजनीतिक क्षमता और मान-सम्मान के अनुसार सीटें मिलेंगी। उन्होंने बताया कि 12 सीटों की सूची सौंपी गई है, जिनमें से 8 सीटों पर झामुमो का मजबूत जनाधार है। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि महागठबंधन में पहले से मौजूद राजद और कांग्रेस जैसे मजबूत घटक दल अपने हिस्से की सीटें कम नहीं करेंगे।

विकास के मामले में सब एक हों: प्रियंका गांधी

» वायनाड में सरकारी मेडिकल कॉलेज को मंजूरी का किया स्वागत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने केरल के वायनाड और कासरगोड जिलों में दो नये सरकारी मेडिकल कॉलेज को मंजूरी दी। प्रियंका गांधी वाद्रा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, वायनाड के लाखों लोगों के अनुरोध, राहुल गांधी के निरंतर प्रयास और मामले में तेजी लाने के हमारे सभी प्रयासों का फल मिला है।

उन्होंने कहा, हमारी अपीलों को सुनने और वायनाड के नागरिकों के लिए मजबूत स्वास्थ्य सेवा की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम उठाने के लिए सभी संबंधित पक्षों का हार्दिक धन्यवाद।'' उन्होंने आशा व्यक्त की कि राज्य सरकार निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा कॉलेज को यथाशीघ्र चालू करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी।प्रियंका ने कहा, आइए, हम सब मिलकर उन लोगों के विकास और प्रगति के साझा लक्ष्य की ओर काम करें जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। मेरे सभी भाइयों और बहनों को बधाई, जो इस पल का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। वायनाड और कासरगोड, दोनों मेडिकल कॉलेज को चालू शैक्षणिक वर्ष से 50-50 एमबीबीएस छात्रों को प्रवेश देने की मंजूरी दी गई है।

टिकट के लिए चक्कर लगाने की जरूरत नहीं

» विस चुनाव को लेकर राजद नेता तेजस्वी ने संभाला मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजद ने अपने विधायकों को क्षेत्र में ही बने रहने का निर्देश दिया है। तेजस्वी यादव ने अपने सरकारी आवास पर विधायकों-सांसदों, पिछली बार पराजित रहे प्रत्याशियों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ दो घंटे तक फीडबैक लिया। बताया कि सर्वे का काम पूरा हो चुका है और टिकट के लिए किसी को चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं। गठबंधन की राजनीति में सभी को साथ लेकर चलना है। टिकट सर्वे के आधार पर ही मिलेगा। नेतृत्व पर भरोसा बनाए रखने के साथ कमजोर प्रदर्शन करने वाले विधायकों को उन्होंने क्षेत्र में सक्रियता बढ़ाने का निर्देश दिया।

चेतावनी दी कि पार्टी पदाधिकारियों ने अगर सही तरीके से काम नहीं किया तो उनकी भी छुट्टी होगी। तेजस्वी ने कहा कि अगर किसी को टिकट नहीं मिलता है तो दूसरे अवसरों पर उनका ख्याल रखा जाएगा। दूसरी जगहों पर वैसे लोगों को समायोजित किया जाएगा। पार्टी नेताओं से उन्होंने 60 दिन का समय मांगा और बदले में सरकार बनाकर देने का आश्वासन दिया। बैठक में वोटर अधिकार यात्रा की सफलता और जन-समर्थन पर भी चर्चा हुई। तेजस्वी ने पार्टी नेताओं को कहा कि इस पर नजर रखें कि मतदाता-सूची में सही नाम छूटे नहीं और फर्जी नाम जुड़े नहीं। अपने स्वजनों-रिश्तेदारों के साथ पड़ोसियों और दूसरे पात्र लोगों के नाम भी मतदाता-सूची में जुड़वाने का टास्क सौंपा। अनुसूचित जाति व गरीब समाज का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया।

अब बिहार में जदयू या नीतीश कुमार कोई एजेंडा नहीं

मुख्यमंत्री को दया का पात्र बताते हुए तेजस्वी ने कहा कि अब बिहार में जदयू या नीतीश कुमार कोई एजेंडा नहीं हैं। उनकी अवस्था का भाजपा अनुचित लाभ उठा रही। बिहार में समाजवादी विचारधारा को कमजोर करने के साथ सांप्रदायिकता की राजनीति की दुकान चमकाने का षड्यंत्र चल रहा। हमें हर स्तर पर भाजपा को जवाब देना है। तेजस्वी ने आगे कहा, इस सरकार की पोल खोलनी है। सरकार विजन-हीन है, जो हमारी घोषणाओं की नकल कर रही। तेजस्वी ने बिहार में बदलाव का संकल्प दोहराया और पलायन रोकने के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर दिया।

आईपीएल टिकटों पर अब 40 प्रतिशत लगेगा टैक्स

» जीएसटी स्लैब में बदलाव के चलते खेल सेक्टर पर बड़ा असर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरों का असर अब खेल जगत पर भी गहराई से पड़ने वाला है। हाल ही में जीएसटी काउंसिल ने स्लैब में बदलाव करते हुए खेल और उससे जुड़े आयोजनों पर टैक्स को लेकर महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। सबसे बड़ा बदलाव क्रिकेट के इंडियन प्रीमियर लीग जैसे आयोजनों पर देखने को मिलेगा। अब आईपीएल जैसे खेल आयोजनों में प्रवेश (टिकट) पर 40 प्रतिशत जीएसटी लगेगा।

इसका सीधा असर टिकट की कीमतों पर पड़ेगा और दर्शकों की जेब पर अतिरिक्त बोझ बढ़ सकता है। हालांकि, यह 40 प्रतिशत की दर सिर्फ आईपीएल जैसे आयोजनों पर लागू होगी। दूसरी ओर, मान्यता प्राप्त खेल आयोजनों पर यह भारी कर नहीं लगाया जाएगा। यदि किसी मान्यता प्राप्त खेल आयोजन का टिकट 500 रुपये तक है तो वह पहले की तरह जीएसटी से मुक्त रहेगा। वहीं 500 रुपये से अधिक कीमत वाले टिकटों पर 18 प्रतिशत की दर से जीएसटी जारी रहेगा। यानी, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के मान्यता प्राप्त खेल टूर्नामेंटों के दर्शकों पर अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जाएगा। इसके अलावा, जीएसटी परिषद ने सट्टेबाजी, जुए, लॉटरी, घुड़दौड़ और ऑनलाइन मनी गेमिंग जैसी गतिविधियों को भी 40 प्रतिशत कर दायरे में लाने का फैसला किया है। यह फैसला न केवल इन क्षेत्रों के कारोबार को प्रभावित करेगा बल्कि सरकार को अतिरिक्त राजस्व भी दिला सकता है।

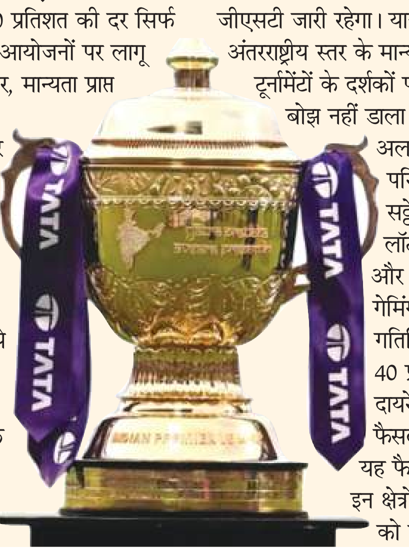

बीसीसीआई चुनाव: अध्यक्ष पद के लिए रणनीति तैयार

नई दिल्ली। बीसीसीआई के इस माह के अंत में होने वाले चुनाव में अध्यक्ष और आईपीएल चेयरमैन के पद दांव पर रहेंगे। वर्तमान आईपीएल चेयरमैन अरुण कुमार धूमल के अनिवार्य तीन साल के कूलिंग पीरियड पर जाने की उम्मीद है। वहीं, किसी नामी क्रिकेटर को अध्यक्ष बनाए जाने की योजना है। जिस तरह पहले सौरव गांगुली और रोजर बिन्नी को बीसीसीआई का अध्यक्ष बनाया गया है। उसी तरह इस बार भी किसी बड़े क्रिकेटर को अध्यक्ष बनाने जाने की तैयारी चल रही है। हालांकि अभी नाम तय नहीं हुआ है, लेकिन यह संभावनाएं तलाशनी शुरू हो चुकी हैं कि कौन से बड़े क्रिकेटर बीसीसीआई का अध्यक्ष बनने के इच्छुक हैं।

राजस्थान में किसानों को लेकर घमासान

» कांग्रेस ने पूरे राज्य में किया प्रदर्शन,

» जूली बोले -बीजेपी को रावण से भी ज्यादा घमंड

4पीएम न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र की शुरुआत जबरदस्त रही है। कांग्रेस हर दिन किसी मुद्दे को लेकर सरकार को घेर रही है। स्मार्ट मीटर, झालावाड़ दुखांतिका, पंजाब से नहरों में आ रहे जहरीले पानी के मुद्दों के बाद आज विधानसभा में किसानों को लेकर कांग्रेस बड़ा प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली की अगुवाई में कांग्रेस विधायक विधानसभा परिसर में इकट्ठे होंगे।

उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस किसानों को फसल खराबे का उचित मुआवजा और अतिवृष्टि प्रभावित लोगों को मुआवजा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन करेगी। कांग्रेस के तेवर बता रहे हैं कि सदन की कार्यवाही में भी यह मुद्दा गरम रहने वाला है। गौरतलब है कि मानसून सत्र की शुरुआत 26 अगस्त को हुई थी और अब तक सत्र में कई बार कांग्रेस और बीजेपी के बीच जबरदस्त टकराव देखने को मिल चुका है। बुधवार को हंगामें के चलते सदन की कार्यवाही स्थगित भी करनी पड़ गई थी।स्मार्ट मीटर योजना, झालावाड़ दुखांतिका, और विशेषाधिकार हनन जैसे मुद्दों पर विपक्ष द्वारा जोरदार विरोध किया गया है। बुधवार को सरकार के वन मंत्री संजय शर्मा सदन में नेता प्रतिपक्ष की तरफ आक्रामक तरीके से बढ़े। इसे लेकर काफी विवाद भी हुआ। जूली का कहना है कि सदन में अपनी बात रखने के लिए हमें सत्ता पक्ष मारने के लिए दौड़ता है। उन्होंने कहा कि पौने दो साल हो गए, राजस्थान में कुछ काम नहीं किया। सदन का माहौल सब्जी मंडी जैसा हो चुका है। यह सरकार पूरी तरह फेल है।

हनुमान बेनीवाल ने हजारों की भीड़ के बीच थानेदार और सिपाहियों को मंच से उतारा, कहा- शराब पीकर आए हो

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल अपने बयानों और तीखे तेवर को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। इस बार उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे थानेदार और अन्य सिपाहियों को भरे मंच से कहते हैं कि आप लोगों ने शराब पी रखी है नीचे उतर जाओ, औकात में रहो। बस फिर क्या था थानेदार साहब और उनके सिपाही धीरे-धीरे करके नीचे उतरे और फिर कुछ देर बाद कार्यक्रम से ही चले गए। यह मामला राजस्थान के चुरू जिले के बीदासर इलाके का है। यहां पर हनुमान बेनीवाल तेजाजी महाराज के मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करने के लिए पहुंचे थे। रात को करीब ढाई से तीन बजे के बीच वे यहां पर आए। पहले तो वह वहां मौजूद हजारों लोगों को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान पता नहीं अचानक बेनीवाल को क्या समझ आया, वह तुरंत वहां मौजूद थानेदार कैलाश यादव की तरफ देखने लगे और कहा कि आप नीचे जाओ, नीचे उतरो, मेरी तरफ क्या देख रहे हो। आप लोगों ने नशा कर रखा है। दारू पी रखी है। अब बकवास कर रहे हो। दिमाग आउट हो रहा है क्या तुम्हारा। औकात में रहो अपनी। फिर बेनीवाल वापस मंच के सामने मौजूद भीड़ की तरफ संबोधित करते हुए कहने लगे कि आधे से ज्यादा पुलिसकर्मी शराब पीते हैं। अभी यहां से चले जाओ, वरना यहीं पर पटककर आईजी और एसपी को यहां बुलाकर मेडिकल करवाऊंगा, फिर लोगों को कहने लगे कि चूरू जिला खराब होता जा रहा है।

10 सितंबर तक बढ़ा सत्र

राजस्थान विधानसभा के मानसून सत्र को अब 10 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है। यह निर्णय मंगलवार को विधानसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में लिया गया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सभी दलों के नेताओं की सहमति से यह फैसला हुआ। बैठक में तय किया गया कि आगामी दिनों में विधानसभा में विधायी कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही प्रश्नकाल, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, विधेयकों पर चर्चा और विभिन्न जनहित के मुद्दों पर बहस भी करवाई जाएगी। मौजूदा विधानसभा सत्र में अभी सरकार को कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित करवाने हैं। इनमें राजस्थान में रिम्स की स्थापना के लिए भी विधेयक चर्चा में लाया जाएगा।

क्या है बीएसी

बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) विधानसभा के कार्यों की योजना बनाने वाली एक महत्वपूर्ण समिति होती है, जिसमें विभिन्न दलों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। यह समिति तय करती है कि किस दिन कौन सा मुद्दा सदन में लिया जाएगा और सत्र की अवधि कितनी होगी।

दिल्ली में जल प्रलय, बैंक व मेट्रो स्टेशन तक पहुंचा यमुना का पानी

» पंजाब, हरियाणा में भी हालात बदतर, सैकड़ों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुरुवार सुबह फिर दिन की शुरुआत बारिश से हुई। कई हिस्सों में सुबह बारिश देखी गई। वहीं दूसरी तरफ यमुना नदी उफान पर है, जिसकी वजह से कई निचले इलाके बाढ़ की चपेट में हैं।

यमुना बाजार, मजनू का टीला, मयूर विहार, गीता कॉलोनी, और झरोड़ा कलां जैसे क्षेत्रों में पानी घरों और दुकानों में घुस गया है। मौसम विभाग ने इस महीने भी अच्छी बारिश का आनुमान जताया है। खराब मौसम और बारिश के कारण आज भी उड़ानें प्रभावित रहेंगी।

हिमाचल और पंजाब में लगातार बारिश से बाढ़ के हालात खराब हो गए हैं। पंजाब के सभी 23 जिलों में 1400 से अधिक गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। ऐसे में पंजाब सरकार ने पूरे राज्य को आपदाग्रस्त घोषित कर दिया है। सभी विभागों को प्रभावित सेवाओं को बहाल करने के लिए युद्ध स्तर पर काम करने के आदेश दिए गए हैं। सभी विभागों में कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। मुख्य सचिव केएपी सिन्हा ने सभी जिला मजिस्ट्रेटों और विभागों को राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए कहा है।

भाजपा पार्षद मोंटी के सवालों से गरमाया सदन

» महापौर को गुस्सा आया, 20 मिनट बाद शुरू हुआ सदन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम सदन की कार्यवाही सोमवार को हंगामेदार रही। भाजपा पार्षद मुकेश सिंह मोंटी विपक्षी पार्षदों के साथ बैठकर लगातार सवाल दागते रहे। मोंटी के तीखे सवालों से सदन में गरमाहट इतनी बढ़ी कि महापौर करीब 20 मिनट तक सदन छोड़कर बाहर चली गईं।

भाजपा पार्षदों ने मोंटी को घेरने की कोशिश की, लेकिन मोंटी अपने सवालों पर अड़िग रहे। इस दौरान पार्षद नागेंद्र सिंह चौहान ने हस्तक्षेप करते हुए महापौर से कहा कि मोंटी को अपनी बात रखने दी जाए। इसके बाद माहौल शांत हुआ इसी बीच, पार्षद प्रमोद सिंह, राजन, शैलेन्द्र वर्मा ने शहर में सफाई व्यवस्था को लेकर रेमकी कंपनी को घेरा। पार्षदों ने आरोप लगाया कि कंपनी के सही तरीके से काम न करने के कारण पूरे शहर में कूड़े का अंबार लगा है और जनता परेशान है।

शिलापट्ट को लेकर बड़ा सवाल

वहीं, पार्षद मुकेश सिंह चौहान ने शिलापट्ट को लेकर बड़ा सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि राजनाथ सिंह का नाम होने पर हमें कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन आर.के. चौधरी का नाम क्यों नहीं है? यह दलित सांसद का अपमान है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए पार्षद भृगुनाथ नाथ ने कहा कि हमारी राष्ट्रपति महोदया को सर्वोच्च पद देकर ही सरकार ने सम्मानित किया है। सदन में दिनभर की कार्यवाही सवाल-जवाब और हंगामे के बीच चलती रही।

एनडीए का बिहार बंद, कई जगह अराजकता दिखी

आम लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ा, भागलपुर में बाइक सवार पति-पत्नी और जहानाबाद में टीचर से बदसलूकी

» पीएम मोदी की मां पर टिप्पणी को लेकर बवाल, राहुल-तेजस्वी से माफी की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। दरभंगा में कांग्रेस और राजद के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व उनकी दिवंगत माँ पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में एनडीए ने बिहार बंद का आह्वान किया। भाजपा नेताओं ने इस कृत्य को शर्मनाक बताते हुए राहुल गांधी और तेजस्वी यादव से माफी की मांग की, जिसके बाद राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन हुए। यह बंद बिहार की राजनीतिक में गर्मागर्मी को दर्शाता है।

हालांकि जदयू व भाजपा के कार्यकर्ताओं ने अराकता भी जिससे आम लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। भागलपुर में बाइक सवार पति-पत्नी और जहानाबाद में टीचर से बदसलूकी खबर भी आई है। दरभंगा में कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माँ पर की गई अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में एनडीए ने बंद का आह्वान किया है। भाजपा और जनता दल (यूनाइटेड) सहित एनडीए के घटक दलों के नेता सुबह से ही सड़कों पर हैं और विभिन्न स्थानों पर धरना और प्रदर्शन कर रहे हैं। बंद का असर पटना, बेगूसराय, मुंगेर, भागलपुर, शिवहर और भोजपुर समेत सभी जिलों में देखा जा रहा है। विरोध प्रदर्शन के दौरान कहीं जलाए टायर तो कहीं सड़कों पर बैठकर नारेबाजी की गई। बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि कुछ दिन पहले महागठबंधन के मंच से प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां को गाली दी गई। आज इसके खिलाफ एनडीए ने पांच घंटे का बिहार बंद का आह्वान किया है। हम इस बंद को सफल बना रहे हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव देश से माफी मांगें।

बहुत शर्मनाक मामला है : रविशंकर प्रसाद

भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि बहुत शर्मनाक मामला है। प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माता को गालियां दी गई। अगर हमारा दूर का कार्यकर्ता भी ऐसा करता तो हम कार्रवाई करते, क्षमा मांगते। राहुल गांधी, तेजस्वी यादव ये आपके संस्कार हैं, ये आपकी बेशर्मी है। हम इसकी भर्त्सना करते हैं। बिहार के मंत्री कृष्ण कुमार मंटू ने मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी माँ के साथ कथित तौर पर दुर्व्यवहार करने वाले विपक्षी नेताओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पत्रकारों से बात करते हुए, मंटू ने कहा कि प्रधानमंत्री कोई साधारण व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे बिहार के प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने कहा, जो कोई भी उनके या उनकी माँ के बारे में गलत बोलेगा, उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। मंटू ने आगे कहा, बिहार बंद उन दूसरी मानसिकता के लोगों के लिए है जो इन सभी लोगों को परेशान कर रहे हैं, विपक्ष के लोग सही-गलत को बढ़ावा दे रहे हैं; बिहार की जनता उन्हें जवाब देगी।

प्राकृतिक आपदाओं पर राज्यों को 'सुप्रीम फटकार'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने विभिन्न राज्यों में अभूतपूर्व भूस्खलन और बाढ़ पर संज्ञान लिया। मामले में कोर्ट ने केंद्र सरकार, एनडीएमए और अन्य को नोटिस जारी किए हैं। कोर्ट ने कहा कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में पेड़ों की अवैध कटाई के कारण आपदाएं आई हैं।

कोर्ट ने उस याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की, जिसमें पेड़ों की अवैध कटाई को ऐसी आपदाओं का एक प्रमुख कारण बताया गया था। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ-साथ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू और कश्मीर और पंजाब की सरकारों को भी नोटिस जारी किए। पीठ ने अनामिका राणा की ओर से दायर याचिका को दो सप्ताह बाद सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित करने को कहा।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय** :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020** *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।